Central Statistical Organisation through residual method for the household saving in the form of physical assets.

11. The component of loans and advances of the private corporate (non financial) sector to its employees needs to be included on the liability side in the estimation of household saving.

12. In the case of deep discount bonds and zero coupon bonds, interest needs to be spread out.

13. All new financial instruments such as warrants which are traded apart from the underlying securities to which they are linked should be taken into account in the estimation of saving as and when complete relevant data become available.

निर्माणाधीन विकास परियोजनाएं

1386. **श्री राम जेठमलानी:** क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में अनेकों विकास परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं;

(ख) यदि हां, तो दिसंबर, 1996 में कुल कितनी परियोजनाएं निर्माणाधीन थीं जिनमें 100 करोड़ रुपये अथवा इससे अधिक की लागत अन्तर्ग्रस्त है;

(ग) क्या यह सच है कि उपर्युक्त में से बहुत सी परियोजनाओं का निर्माण कार्य अपने निर्धारित समय से पिछड़ रहा है;

(घ) यदि हां, तो सड़क विसतार, निर्माण संबंधी और विद्युत उत्पादन, कच्चे तेल के उत्पादन, कोयला उत्पादन और सिंचाई क्षमता सृजन संबंधी परियोजनाएं कितनी है जो अपनी निर्धारित समय-सारणी से पीछे चल रही हैं; और

(ङ) इनके निर्माण में विलंब के कारण उपर्युक्त में से प्रत्येक परियोजना की निर्माण लागत में कितनी वृद्धि हो गई है?

योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र कुमार भगतराम अलघ): (क) और (ख) जी हां। कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग के पास दिनांक 31.12.1996 तक उपलब्ध सूचनानुसार 199 परियोजनाएं (100 करोड़ रुपये और उससे अधिक की लागत वाली) निर्माणाधीन थीं जिनमें लगभग 1,40,613 करोड़ रु० का निवेश किया जा चुका था।

(ग) से (ङ) दिनांक 31.12.1996 को 100 करोड़ रुपये और उससे अधिक लागत वाली 118 परियोजनाएं शुरू की जाने की अपनी अनुमोदित समयावधि से पीछे चल रही थीं। इन परियोजनाओं में 11 सड़क क्षेत्र की, 15 विद्युत उत्पादन क्षेत्र की, शून्य कच्चा तेल क्षेत्र की और 5 कोयला उत्पादन क्षेत्र की थीं। सिंचाई परियोजनाओं के लिए प्रबोधन व्यवस्था कार्यक्रम कार्यान्वयन विभाग में स्थापित की जा रही है। सड़क, विद्युत उत्पादन और कोयला उत्पादन क्षेत्रों को उपर्युक्त 31 परियोजनाओं में से प्रत्येक में हुई लागत वृद्धि विवरण में दी गई है।

विवरण

विलंब से चल रही बड़ी परियोजनाओं की लागत वृद्धि का प्रतिशत, अद्यतन अनुमोदित समयावधि के संदर्भ में (31.12.96 की स्थिति)

क्रम सं०	परियोजना	क्षमता	लागत (करोड़ रुपये में)		प्रतिशत लागत वृद्धि
			अनुमोदित	अप्रत्याशित	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
क्षेत्र-कोयला (ई०सी० एल०)					
1.	सतग्राम (यू जी)	1.20 (एमटीवाई)	148.26	208.58	40.7

1	2	3	4	5	6
	2. कोट्टाडीह (ओसी/यूजी)	2.48 (एमटीवाई)	267.52	493.67	84.5
	3. जामबाद (ओसी)	1.70 0.80 (एमटीवाई)	136.80	136.88	0.1
एन सी एल					
	4. दुधिचुआ ओसी) फेज-I	10.0 (एमटीवाई)	868.93	1149.04	32.2
	5. खाडिया (ओसी)	4.00 (एमटीवाई)	588.75	751.37	27.6
क्षेत्रः विद्युत डीवीसी					
	6. मेजिया टी पी पी	मेगावाट 6.30	566.00	1989.14	251.4
निपको					
	7. दोयांग एच ई पी	मेगावाट 75	166.65	384.75	130.8
	8. कावथ्लगुरी (जीबी सीसी पी पी)	मेगावाट 291	695.77	1347.57	50.4
	9. रंगानाडी (एचईपी)	मेगावाट 405	675.74	774.12	14.6
	10. कोपिली (एचईपीआई) विस्तार	मेगावाट 100	101.97	130.95	28.4
एन एच पी सी					
	11. दुलहस्ती (एचईपी)	मेगावाट 390	1262.97	3559.77	181.9
	12. कोईल कारो (एचईपी)	मेगावाट 710	1292.82	3143.69	143.2
	13. उरई (एचईपी)	मेगावाट 480	1632.62	3070.67	88.1
	14. रंगित एचईपी-III)	मेगावाट 320	181.15	371.63	105.2
	15. धोलीगंगा (एचईपी-I)	मेगावाट 470	601.93	1881.49	212.6
एनजेपीसी					
	16. नाथमाझकरी (एचईपी)	मेगावाट 1500	4337.95	7151.86	64.9
एनटीपीसी					
	17. कहलगांव (एसटीपीपी एसटी-I	मेगावाट 940	1715.89	2037.51	18.7

1	2	3	4	5	6
18.	तलचर (एसटीपीपी एसटी-I)	मेगावाट 1000	1404.04	2592.18	84.6
19.	विन्ध्याचल(एसटीपीपी-II)	मेगावाट 2500	2753.38	2763.90	0.4
	विकसित)				
20.	उंपाहार (टीपीपी एसटी-II)	मेगावाट 2210	1279.51	1330.52	3.9
	क्षेत्र-भूतल परिवहन आर डी और बी आर				
21.	अहमदा-वहोद) एक्स०वे०, जीपीडब्ल्यू डी	किमी० 92.85	137.20	374.19	172.7
22.	कलकत्ता-प्लास्टि (खंड-डब्ल्यू बी पी डब्ल्यू)	किमी० 64.5	54.17	140.08	158.6
23.	चार वाईपास, 2 बी आर गंगा पर	किमी० 28.2	49.92	122.59	145.6
24.	4 लेन-वाईडन, अंकपल्ली-विज़ एन एच-5	किम० 46.33	83.33	118.10	41.7
25.	4 लेन बनाना (दिल्ली-मथुरा)	किमी० 111.5	114.24	191.55	67.7
26.	4 लेन वाईडन (एन एच-8 दिल्ली-जयपुर	किमी० 58.50	93.66	113.72	21.4
27.	एन एच 5: 4 लेन (कटक से जगतपुर	किमी० 27.80	133.98	218.42	63.0
28.	एन एच-47: 4 लेन केरल में	किमी० 47.00	93.97	122.93	30.8
29.	एन एच-2:4 लेन, मथुरा-आगरा	किमी० 51.33	103.21	125.75	21.8
30.	एन एच 1:आई एम पी बिहार में (एन एच ए आई)	किमी० 42.69	127.89	150.67	17.8
31.	आई एम पी, एन एच-5 और एन एच-9 आंध्र प्रदेश में	किमी० 119.6	202.74	203.32	0.3

Monitoring the Performance of Key Infrastructure Sectors

1387. DR. B. B. DUTTA : Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether Government monitor performance of the key infrastructure sectors such as power, coal, saleable steel, fertilisers and crude oil;

(b) if so, the performance of these sectors during the first nine months of the current financial year;

(c) the details of factors responsible for shortfalls, if any, in these sectors; and

(d) the measures taken by Government to improve performance of these sectors?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PLANNING AND